# ब्रजराज ब्रजबिहारी गोपाल बंसी वाले भजन लिरिक्स

ब्रजराज ब्रजबिहारी,
गोपाल बंसी वाले,
इतनी विनय हमारी,
ब्रजधाम में बसा ले,
ब्रज राज ब्रज बिहारी,
गोपाल बंसी वाले।bd।

---

कितने दरो पे भटके,
कितने ही दर बनाये,
दर तेरे पे अब आके,
हम जाये ना निकाले,
ब्रज राज ब्रज बिहारी,
गोपाल बंसी वाले।bd।

---

जोड़ी तेरी हमारी,
पहले रची विधाता,
हो तुम तो रंग के काले,
और हम है दिल के काले,
ब्रज राज ब्रज बिहारी,
गोपाल बंसी वाले।bd।

---

बहुतों को अपना समझा,
बहुतों के हो लिए हम,
अब तेरे बन रहेंगे,
अपना हमें बना ले,
ब्रज राज ब्रज बिहारी,
गोपाल बंसी वाले।bd।

---

राजी तेरी रजा में,
अपनी बनी या बिगड़े,
नाचेंगे हम तो नटवर,
जैसा हमें नचाले,
ब्रज राज ब्रज बिहारी,
गोपाल बंसी वाले।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ब्रजराज ब्रजबिहारी,
गोपाल बंसी वाले,
इतनी विनय हमारी,
ब्रजधाम में बसा ले,
ब्रज राज ब्रज बिहारी,
गोपाल बंसी वाले।bd।

स्वर – बाबा श्री चित्र विचित्र जी महाराज।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com